जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है

"जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है"- शेर सुनने में तो कर्णप्रिय है और दिल की तसल्ली के लिये भी अच्छा है, लेकिन अनुभव में क्या वाकई जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है? जिन्दगी को जिन्दादिली से जिया भी जा सकता है, बशर्ते जिन्दगी का कोई लक्ष्य, कोई ध्येय, कोई उद्देश्य हो। इस संघर्ष और चुनौतीपूर्ण जीवन में यदि कोई जिन्दादिली से जी पाता है तो वाकई वह प्रशंसा का पात्र है। किसी आशा और उद्देश्य के लिये जिन्दगी जीना जिन्दादिली ही नहीं, वरन् सहर्ष चुनौती और परिश्रम का नाम भी है।

"उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है, किन्तु आज कदम - कदम पर अभाव, तनाव, मजबूरी और कुंठाओं से घिरा मानव स्वयं को बौना महसूस कर रहा है। अमीर - गरीब, ऊंचे - नीचे, सब किसी न किसी अभाव को ओढ़े नकली मुस्कुराहटों से काम चला रहे हैं। मन की निर्मलता एवं स्वभाव की कोमलता को काल के निष्ठुर थपेड़ों ने न जागने वाली नींद की गोद में सुला दिया है। व्याप्त भ्रष्टाचार उन्हें मीठी-मीठी लोरियां सुना रहा है।

जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है, किन्तु सिर्फ किताब के पृष्ठों में या बाहरी प्रदर्शन में। वस्तुतः हम सबने मुखौटे पहन रखे हैं जो बाहर से तो मुस्कुराहट और खुशी उजागर करते हैं परन्तु क्या भीतर से भी हम उतने ही खुश और सन्तुष्ट हैं? शायद नहीं। भीतरी खोखलापन हमारी लाख कोशिशों के बाद भी स्पष्ट दिखाई देता है जैसे कोई पैबन्द लगी चादर से बदन को ढके। गरीब अभावों से ग्रस्त है तो अमीर तनाव और कुंठाओं से। प्रत्येक मनुष्य किसी न किसी झंझावत में फंसा है। ऊपर से शान्त किन्तु भीतर से ज्वालामुखी की तरह धधकता हुआ। तनिक से विस्फोट से मानों सब कुछ ध्वस्त हो जायेगा।

किन्तु इन सब निराशाओं के बावजूद भी मानव आशाओं के सहारे जीवित है, आशावान है और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। जब आशा-निराशा, विजय-पराजय, सफलता-असफलता इन सभी का चोली दामन का साथ है फिर जीवन के प्रति निराशा क्यों?

इस निखिल सृष्टि के जीवन का,
स्वाभाविक क्रम है प्रलय सृजन।
क्या होगा बिखर आंसू कण।।

सम्पूर्ण विश्व ही नवचेतना की आशा में कर्म लिप्त है। सत्य ही है आशा और उत्साह ही जीवन के प्रेरणा स्त्रोत है। जिन्दादिली ही जीवन की संजीवनी है क्योंकि -

"जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है। मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।।"

गुरदीप सिंह दुआ, "तकनीशियन-द्वितीय"